[This question paper contains 2 printed pages]

Your Roll No. : .....

Sl. No. of Q. Paper : **12057** **I**

Unique Paper Code : 6967000031

Name of the Paper : The Gita for Sustainable Universe

Name of the Course : **VAC**

Semester : I/III

Time : 1 Hour ***Maximum Marks : 30***

Instructions for Candidates :

परीक्षार्थियों के लिए निर्देश :

(a) Write your Roll No. on the top immediately on receipt of this question paper.

इस प्रश्न-पत्र के प्राप्त होने पर तुरंत शीर्ष पर अपना रोल नंबर लिखें।

(b) Answer may be written either in **English** or in **Hindi**; but the same medium should be used throughout the paper.

इसं प्रश्न-पत्र का उत्तर अंग्रेजी या हिंदी किसी एक भाषा में दीजिए, लेकिन सभी उत्तर एक ही भाषा में होने चाहिए।

(c) **First** question is compulsory and attempt any **two** questions from remaining.

पहला प्रश्न अनिवार्य है और शेष में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

P.T.O.

(d) Each question carries **10** marks.

प्रत्येक प्रश्न **10** अंक का है।

1. Write short notes on any **two** of the following : 5+5=10

निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए :

(i) Human interference and destruction of nature

प्रकृति में मानव का हस्तक्षेप और विनाश

(ii) Prakriti as divine manifestation

प्रकृति - दिव्य ऊर्जा की अभिव्यक्ति

(iii) Samattvam Yoga

समत्वं योग

2. What is the role of *Yajna* in ecological sustainability ? 10

पारिस्थितिकीय वहनीयता में *यज्ञ* की भूमिका क्या है ?

3. How does the Gita inspire values of sustainable living ? 10

गीता जीवन के वहनीयता लिए किस प्रकार मूल्यों की प्रेरणा देती है ?

4. Explain the concept of reciprocity between *Devata* and *Yajna.* 10

देवता और *यज्ञ* के बीच पारस्परिक संबंध की अवधारणा समझाइए।

***